

# जैमिनीय साम प्रकृति गानम्

# ॥ अनुक्रमणिका ॥

## आग्नेयपाठः

प्रथम खण्डः	5
॥ गौतमस्यपर्कः ॥	5
॥ कश्यपस्यबहिर्षीयम् ॥	5
॥ गौतमस्यचैवपर्कः ॥	5
॥ सौपर्णञ्च ॥	6
॥ वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥	6
॥ श्रौतर्षाणित्रीणि ॥	7
॥ औशनञ्च ॥	7
॥ शैरीषेच ॥	7
॥ इन्द्रस्यसंवर्गोवात्रद्वे ॥	8
॥ साकमध्यस्यशौनःशोपेःसामनी द्वे ॥	8
॥ वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥	8
॥ अग्नेश्वरैश्वानरस्यार्षेयम् ॥	9
॥ सुमित्रस्यचवार्द्धश्वेस्साम ॥	9
द्वितीय खण्डः	10
॥ अग्नेश्वसंवर्गः ॥	10
॥ वैश्वमनसञ्च ॥	10
॥ श्वाभाश्वैष्टद्वे ॥	10
॥ वैश्वामित्रञ्च ॥	11
॥ अग्नेश्वजराबोधीये ॥	11
॥ मारुतञ्च ॥	11
॥ भागवच ॥	12
॥ अग्नेश्वारवन्तीयम् ॥	12
॥ और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥	12
॥ अत्रेश्वासङ्गम् ॥	13
॥ प्रजापतेश्वनिधनकामम् ॥	13
तृतीय खण्डः	14
॥ सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥	14
॥ अग्नेर्हरसीद्वे ॥	14
॥ इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥	14
॥ यामेद्वे ॥	15
॥ अग्नेराक्षोग्रेद्वे ॥	15

॥ वैश्वमन्तसञ्च ॥ . . . . .	15
॥ अग्रेश्यार्षेयम् ॥ . . . . .	15
॥ सोमसामच ॥ . . . . .	16
॥ गोपवनञ्च ॥ . . . . .	16
॥ सूर्यसामनीद्वे ॥ . . . . .	16
॥ कोवञ्च ॥ . . . . .	17
॥ वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥ . . . . .	17
॥ गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥ . . . . .	17

**Alphabetical Index****18**



# आग्नेयपाठः

## प्रथम खण्डः

### ॥ गौतमस्यपर्कः ॥

ओग्नाइ । आया हीवाइ । तायाइ तायाइ । गृणानोहव्यादा । तायाइ तायाइ । नाइ होता ।  
त त श थाच चाश ट टि श चाश चि ट टि श कि च  
सात्साइ बा औहोवा । हीषि ॥ १ ॥

॥ कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥

अग्नायाहीवी । तायाइ गृणानोहव्यदातायाइ । नीहोता सत्सी बर्हाइषी । बर्हाइषा औहोवा ।  
तू पू टी त श चि टी ता टा खा शि  
बर्हिषी ॥ २ ॥

॥ गौतमस्यचैवपर्कः ॥

अग्नायाहीवाइ तायाइ । गृणानोहव्यदाताये । निहोता सात् । साइ बा ऋहा आइषो । हाइ  
तू ति श यू प श खि ण ट ता पा छि शा  
॥ ३ ॥

॥ सौर्पणम् ॥

त्वमग्नेयज्ञानां त्वमग्नाइ । यज्ञानां होता विश्वेषां हाइताः । देवाइ भाइर्मा । नुषे जना औहोवा ।  
षु ति श षु टा ता क टि ता ताच्क टा ख मु  
होइला ॥ ४ ॥

॥ वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥

अग्निन्दूताम् । वृणीमहाइ होतारां वीश्वावेदसाम् । अस्य यज्ञा ओ औहोवा । स्यासूकृतूमिला  
टि त षु टि त चा चा टि त का त त चा टी  
भा । ओइला ॥ ५ ॥

## ॥ श्रौतर्षणित्रीणि ॥

अग्निर्वृत्रा । णाइजा औहोवा । घानात् । द्रविणास्युर्वीपन्याया ओइसमिद्धाशशू । क्रायाहुताइ  
 ती ट खा शि ख शा च श कि टा टु त चा  
 लाभा । ओइला ॥ ६ ॥  
 टी खण् प ष्णा

अग्नीरौहोवाहाइवृत्राणी । जङ्घानादौहोवाइ । द्रविणास्यूः । ओइवाइपन्याया । सामाइद्धा  
 खा शि शु टा त टा त शि ण षी टि टीट्  
 शशू औहोवा । क्रायाहुताः ॥ ७ ॥  
 ख शि टि ख

ओग्नीः । वृत्राणीजङ्घनादौहोऔहोवा । द्रवीणास्युर्वीपन्यया औहोऔहोवा । समिद्धाशशुक्रया  
 त त कि कि खि श चाक कि चाक खि श चि चि  
 औहोऔहोबाहूतो । हाइ ॥ ८ ॥  
 क खि ष्ण ष्णा श

## ॥ औशनञ्च ॥

प्रेष्ठंवाः । अताइथीम् । स्तुषेमित्रमिवप्रायाम् । अग्नाइराथान्नावा हाइ । दाआयाम् । हाइ  
 ति टा ता चा टु त भी त टाखण ष प ष्णा शा  
 ॥ ९ ॥

## ॥ शैरीषेच ॥

प्रेष्ठंवयोहाइ । अताइथीम् । स्तूषाइमीत्रामीवप्रायाम् । औहोइ । अग्नेराथान्नावे । दाया  
 म् । हाइ ॥ १० ॥  
 ती त श टा ता ता श टा खण थ च श थ टा प श ख श  
 शा

प्रेष्ठंवोहाबु । आतिथाइस्तुषेमित्रामीवप्रायाम् । अग्नाइराथाऔहोवा । नावेदीयाम्  
 ति त श पु टु त टीट् ख शि टि ख  
 ॥ ११ ॥

## ॥ इन्द्रस्यसंवर्गोवात्रम्भद्रे ॥

त्वन्नोया । ग्रेमाहोभिः पाहाइवीश्वा । स्याआरा ते रूताद्वाइषाः । मात्यास्याइल्लाभा । ओइ  
 ति च था टु त च थिच् चाय टा क थ टि खण् प  
 ला ॥ १२ ॥  
 शा

त्वांत्वन्नोअग्नेमहोभाइः । पाहिविश्वा औहोस्याऔहोआरा ते रूताद्वाइषाः । मर्तोया औहोवा ।  
 षि ती त श क टी त टा त किच् चाय टा टाट् ख शि  
 स्या ॥ १३ ॥  
 ख

## ॥ साकमश्वस्यशौनःशेषःसामनी द्वे ॥

एह्युषुब्रावाणाइताइ । अग्नित्थेतरागाइराः । एभाइर्वाधा । सयाहाइ । दोभो । हाइ  
 फा खि शी षी टि चा टा चि टा खण्श प लु शा  
 ॥ १४ ॥

एह्युषुब्रवौहोणाइताइ । अग्नित्थेतरागीराः । एभिर्वद्धा । सयाहाइ । दोभो । हाइ  
 षि ती ता श यू प श खि ण टा खण्श प लु शा  
 ॥ १५ ॥

## ॥ वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥

आतेवत्साः । मानोयमत्पारामाच्चित्साधास्थात् । अग्नाइत्वाङ्का । मयोबागाइरो । हाइ  
 ती च श ची थ टि त भी त पा लु छि शा  
 ॥ १६ ॥

आतेवत्सोमनोयमद्य्याहाइ । पारामाच्चित्सधस्थाद्य्या होइया । अग्नेत्वाङ्कामायाअद्य्या होइ  
 या । गीराइळाभा । ओइळा ॥ १७ ॥

## ॥ अग्नेश्वैश्वानरस्यार्षेयम् ॥

त्वामग्नेपुष्कारादधी । आथर्वानाइरामान्धाता । मूर्धोवाइश्वा । स्यावोबाधातो । हाइ  
 तु ति च चा टी ख ण ख लु ख णा पा लु ल्ला शा  
 ॥ १८ ॥

## ॥ सुमित्रस्यचवाद्धश्वेस्साम ॥

अग्नेविवस्वदाभरोवाहाइ । अस्माभ्या मू तायाइमहाओवाहाओवाहाइ । दाइवोहियाओवाहा  
 षि तु त श च काच चा टि टा त टा त श च या टा टा त  
 ओवाहाइ । साइनाौहोवा । दृशे ॥ १९ ॥

## द्वितीय खण्डः

### ॥ अग्नेश्वसंवर्गः ॥

नमस्तौहोश्चाइ । ओजासाइगृणान्ताइदे । वाकारिष्टायाः । आमाइरामाऔहोवा । त्रमर्दया  
 ति त श कि टि ख ण च य टि यीट ख शि खी  
 ॥ १ ॥

### ॥ वैश्वमनसञ्च ॥

दूतांवोविश्वेदसाम् । हाव्यावाहाममार्त्यम् । याजिष्ठमृज्ञसेहाइ । गीराऔहोबा । होइला  
 ण फ ख शु थ टु ख ण च टु त श च टा ख फ फ शा  
 ॥ २ ॥

### ॥ श्राभाश्वैष्टदे ॥

उपत्वाजा । मयोगीराः । ओइयायूर्दाइदिशतीर्हाविष्कृताः । ओइया यू वायोरानी । कया  
 ती य टा षु त्रु टि क टिच्चक टा त  
 स्थाइरान् । अश्वागावाः ॥ ३ ॥

उपत्वाजामायोगीराः । दाइदिशाताइर्हाविष्कार्ताः । वायोरनाहाइकाया । स्थाइराऔहोवाइ  
 तु ति चश का टी ख ण ती ती टि खा  
 ला ॥ ४ ॥

### ॥ वैश्वामित्रञ्च ॥

ऊपात्वाग्नेदिवेदिवाइ । दोषावास्तार्द्धीयावायम् । नामोभारान्ताएमासाइ । ओइला  
 पि शु टा टा चा चा टा टाच्चक टखण्श प शा  
 ॥ ५ ॥

### ॥ अग्नेश्वजराबोधीये ॥

जारा । बोधाबोधाताद्वीविह्नाइ । वीशेवाइशेयज्ञोयायाौहोवा । स्तोमंरूद्रायदशीकाम्  
 ता टा टा चा चा श का टि टा खा शि का कूच  
 ॥ ६ ॥

जराबोधोवा । ताद्वीविह्नाइ । वीशाइवाइशे । याज्ञीयायास्तोमांरूद्रायाद् । शीकोइला  
 ती त च चिश टी ता थ श किच्चच्यपणश खा शा  
 ॥ ७ ॥

### ॥ मारुतञ्च ॥

प्रातित्याञ्चारूमध्वराम् । गोपीथायाप्राहुयासाइ । मारुत्भीराग्नायागहाऔहोबा । होइला  
 पि शु थ चिक ख ण श चा क टि च टा ख फ फ शा  
 ॥ ८ ॥

## ॥ भार्गवेच ॥

आश्च औहोवा । नात्वा औहोवा । वारवन्तं वन्दध्यै । आग्ना औहोवा । नमोभिस्सम्प्राजन्ताम्  
 टा खा श टा खा श षी ति टा खा श षि तु  
 । आध्वराणामौहोवा । होइला ॥ ९ ॥  
 कि पा ष्टा ष्ट शा

अश्वन्त्वावारवन्ताम् । वन्दध्या अग्निन्मोभाइः । सम्प्राजन्तामाध्वरा औहोवाइहोहाइ । औ  
 षी ती षि चु श क थाच् चा खा खु ण श क  
 होया औहोवा । णाम् ॥ १० ॥  
 ट ख शि ख

## ॥ अग्नेश्वरवन्तीयम् ॥

अश्वन्त्वाबुहोहाइ । वारावान्तं वन्दध्योहाइ । अग्नाइन्मा औहोवाइहोहाइ । उहवाभीः । स  
 तू त श खि श का प ण श पु खु ण श खि ण क  
 म्प्राजन्तामाध्वरा औहोवाइहोहाइ । उहवाणामेहियाहा । होइला ॥ ११ ॥  
 था पी खु ण श पि ष्टी श ष्ट शा

## ॥ और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥

और्वभृगुवदोहाइ । शोचिम् । आप्नावानावादाहुवाइहुवायोइ । अग्नाइंसा मू सामूओ । द्रावा  
 चू त श ख श टि क टा टा ची श टा टिच् चि चा  
 सासाबु । बा ॥ १२ ॥  
 क त श ख

और्वभृगुवच्छुचिमेशुचिम् । आप्नावानावादाहुवाइहुवाइहुवाए । अग्नाइंसा मू सामूसामूए । द्रा  
 षु ति ता कि च टा टा टि टित टी त टा टात इ  
 वा औहोवा । सासामे ॥ १३ ॥  
 ख शि च ट ख

## ॥ अत्रेश्वासङ्गम् ॥

अग्निमिन्धानोमनसौहो औहोवाहाइ । धीयंसचेतमौहोहाहोवात्याः । अग्नाइमाइन्धा औहोवा ।  
 षि ते त श दू ट ट टा टा टीट खा शि  
 वीवास्वाभीः ॥ १४ ॥  
 टि ख

## ॥ प्रजापतेश्वनिधनकामम् ॥

आदिप्रत्नास्यरेतसाः । ज्योतिः पश्यन्तिवासाराम् । पारोयातिध्यताइ । दिविहोइहो औहो औ<sup>१</sup>  
 फी शा का षी टि च टि चि श कू का  
 होवाहाबु । बा ॥ १५ ॥  
 पा ष्ट श ख

## तृतीय खण्डः

### ॥ सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

अग्निंवोवृधान्ताम् । आध्वाराणां पूरूतामौहोवाहाइ । आच्छानाप्ते । साहोबास्वातो । हाइ  
 तु त चा थाच् का य ट टा त श टा टा क प फ्ल शा शा  
 ॥ १ ॥

अग्निंवाए । वृधन्तामध्वराणां पुरूतमच्छाहोइनाप्ते । साहास्वाताइ । ईति ॥ २ ॥

अग्निंवोहाइ । वृधान्ताम् । आध्वराणां पुरूतामाम् । अच्छानप्तोहाइ । साहोहाइ । स्वाता  
 ति त श य त यूप श श्वीण श क प च श क  
 औहोबा । होइला ॥ ३ ॥

### ॥ अग्नेर्हरसीद्वे ॥

आग्नाउवोवा । तिग्मेनाशोचाइषाउवोवा । यंसाउवोवा । वाइश्वान्यात्राइणाउवोवा । अग्नि  
 टा खा श थाच् क टी खा श टा खा श टू खा श  
 नोंवंस ते रायीम् ॥ ४ ॥

ओहायाग्नीः । ताइग्मेनाशोचाइषा । यंसाद्वाइश्वानीयात्राइणम् । अग्निनोंवंसाता औहोवा ।  
 ती ख श खि णा टा ख श खि णा टि टाट् ख शि  
 रायिम् ॥ ५ ॥

### ॥ इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥

अग्निस्तिग्मेनशोचिषाइहा । यंसद्विश्वन्यत्रीणामिहा । अग्निनोंवंसताइहा । राआयाइ । हाइ  
 षी तु षी टि ता टू ता प फ्ल शा  
 ॥ ६ ॥

### ॥ यामेद्वे ॥

अग्नाइमृलामहंयासी । आयआदाइवयुन्जानम् । ईयेथाबार्हिरासा । दाम् ॥ ७ ॥

आग्नेमृलामाहंयासि ओहा ओहा । आयाआदेवायुन्जनामोहा ओहा । इयाईथाबार्हिरासा । दा  
 ण फ फि फि खा ख श ण फ फि फि ख खा श टी खा त्र  
 म् ॥ ८ ॥

## ॥ अग्नेराक्षोद्देष्टे ॥

अग्नेराक्षाणो अंहासः । प्रातिस्मदेवारीषाताः । तापाइष्टाइरा । जरोदाहा । ओइला  
 खी श क्षि की टि त टी ता टि खण् प शा  
 ॥ ९ ॥

अग्नेर्यूक्ष्माहीयेतावा । अश्वासोदेवासाधावाः । आरंवाहान्तीयाशावाः । ओइला ॥ १० ॥  
 खी श क्षि ची टि त टि त क टा खण् प शा

## ॥ वैश्वसन्न ॥

नित्वाहोइनक्ष्या । वाइस्पाताइद्यूमन्तन्धाइमाहेवायम् । सुवोहाइ । रामग्नाओबाहूतो । हा  
 खी शि च चिशक था चिकखण तातश चिप क्षि  
 इ ॥ ११ ॥

शा

## ॥ अग्नेश्वर्णयम् ॥

अग्निर्मूर्धादीवः ककूत् । पातीः पातर्थीव्याअयाम् । आपांराइतांसीजिन्वाताइ । ओइला  
 तु ति टा टा चि टा टि क टा खण्श प श्ला  
 ॥ १२ ॥

## ॥ सोमसामच ॥

इममूषू । त्वामास्माकाम् । सानिंहोइगायाहोतृन्नव्यांसाम् । आग्नेहोइदेवाहोषुप्रावोचाः ।  
 ती टि त टा टी कथ टा टा टा टी कथ टि खण्  
 ओइला ॥ १३ ॥

प श्ला

## ॥ गोपवन्न ॥

तन्त्वागोपा । वानोगाइराः । जनाइष्टादग्नायाङ्गाइराः । सपौवाउवोवाकौवाउवोवा । श्रुधीह  
 ती टा खणा चा टू खणा खु श खि ण  
 वां । होइला ॥ १४ ॥

क्षी प शा

## ॥ सूर्यसामनीद्वे ॥

परियौहोइवाजा । पाताइः कावीः । अग्नीर्हव्यान्नायः क्रमीत् । दधाद्रात्नाऔहोवा । निदाशू  
 षी ति चा या ट चा था ट टि टिद् शि ता  
 षे ॥ १५ ॥

टाख्

उदुत्यमोहाइ । जातावेदासम् । देवंवहन्तीकेतावाः । दार्शेहाइ । वाइश्वायासूर्यमौहोबा  
 ती त श किखण क कुखण पा ण श किच्च क पि श्ला  
 । होइला ॥ १६ ॥

शा

॥ कावञ्च ॥

कविमन्त्रीम् । उपास्तूहा औहोवा । सत्याधर्माणमाध्वारे । देवाममी । वाचाता नाम् । ओइ  
 ती टिख शि चाक चि चा ती टिखण प  
 ला ॥ १७ ॥  
 श्ला

॥ वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

शन्मोदेवीः । आभीष्टायाइशन्मोभुवाम् । तूपीतायाइशव्योरभीः । श्रावन्तूना औहोवा । ऊपा  
 ती टिख शु टिख शु टिख शि ख श  
 ॥ १८ ॥

हुवाहोइशन्मोदेवीरभिष्टयाइ । हुवाहोइशन्मोभुवान्तूपीतायाइ । हुवाहोइशव्योरभीस्वन्तुनाः ।  
 ता प मु डिश ता प मु डीश ता प मु डिश  
 हुवाहोया औहोवा । ऊपा ॥ १९ ॥

॥ गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

कस्यानूनाम्पारीणासी । धीयोजिन्वासीसात्पाताइ । गोषातायास्याता औहोवा । उपीराः  
 टी खिण टी खिणश च चा टादख शि ख श  
 ॥ २० ॥

ओहोवाइहुवाइहुवाए । कस्यनूनाम्पारीणासी । ओहोवाइहुवाइहुवाए । धीयोजिन्वासीसात्पा  
 क था टि चित खी चा फा क था टि चित खी चा  
 तीम् । ओहोवाइहुवाइहुवाए । गोषातायस्यतागाइ । राः ॥ २१ ॥

# Alphabetical Index

- अग्रेराक्षोद्देषे, 11  
अग्रेहरसीद्धे, 10  
अग्रेश्वजराबोधीये, 8  
अग्रेश्ववारवन्तीयम्, 9  
अग्रेश्ववैश्वानरस्यार्षेयम्, 7  
अग्रेश्वसंवर्गः, 8  
अग्रेश्वार्षेयम्, 11  
अत्रेश्वासङ्गम्, 9  
इन्द्रस्यसंवगाँवात्रद्वेषे, 6  
इहवद्वामदेव्यंतृतीयम्, 10  
और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे, 9  
औशानञ्च, 6  
कश्यपस्यबर्हिषीयम्, 5  
कावञ्च, 12  
गोपवनञ्च, 11  
गौतमस्यचैवपर्कः, 5  
गौतमस्यपर्कः, 5  
गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे, 12  
प्रजापतेश्वनिधनकामम्, 9  
भार्गवेच, 9  
मारुतञ्च, 8  
यामेद्वे, 10  
वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे, 7  
वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे, 12  
वैश्वमनसञ्च, 8  
वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा, 5  
वैश्वमनसञ्च, 11  
वैश्वामित्रञ्च, 8  
शैरीषेच, 6  
श्राभाश्रौषेद्वे, 8  
श्रौतर्षाणित्रीणि, 6  
साकमश्वस्यशौनःशोपेःसामनी द्वे, 7  
सुमित्रस्यचवार्द्धश्वेस्साम, 7  
सूर्यसामनीद्वे, 11  
सैन्धुक्षितानित्रीणि, 10  
सोमसामच, 11  
सौपर्णञ्च, 5